**भारत सरकार**

**रेल मंत्रालय**

**राज्‍य सभा**

**14.12.2018 के**

**अतारांकित प्रश्‍न सं. 632 का उत्‍तर**

**प्‍लेटफार्म पर स्‍टेशन के नाम वाले बोर्डों की संख्‍या में वृद्धि करना**

**632. श्री अनिल देसाई:**

**क्‍या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:**

(क) क्‍या यह सच है कि प्‍लेटफार्म पर स्‍टेशन के नाम वाले दो बोर्ड लगे होते हैं एक प्‍लेटफार्म की शुरूआत में और एक अंत में और यात्रियों को स्‍टेशन का नाम जानने के लिए प्राय: अपने साथी यात्रियों से पूछना पड़ता है और रात के समय में यह समस्‍या अत्‍यंत दुरुह हो जाती है; और

(ख) क्‍या सरकार प्रत्‍येक प्‍लेटफार्म पर स्‍टेशन के नाम वाले बोर्डों की संख्‍या बढ़ाएगी ताकि यात्री उपर्युक्‍त के मद्देनजर स्‍टेशन के नाम के बारे में आसानी से जानकारी प्राप्‍त कर सकें?

**उत्‍तर**

**संचार मंत्रालय में राज्‍य मंत्री (स्‍वतंत्र प्रभार) एवं**

**रेल मंत्रालय में राज्‍य मंत्री (श्री मनोज सिन्‍हा)**

(क) और (ख): स्टेशन के प्रत्येक छोर पर स्टेशन का एक नाम बोर्ड लगाया जाना होता है। आमतौर पर लंबे प्लेटफॉर्मों के मामले में, सुविधाजनक मध्यवर्ती स्‍थानों पर स्टेशन के अतिरिक्त द्वितीयक नाम बोर्ड दो सवारी डिब्बों के लिए एक की दर से लगाए जाते हैं। सभी स्टेशन नाम बोर्डों को उचित रूप से प्रकाशित किया जाना होता है, ताकि वे रात में पढ़ा जा सके।

द्वितीयक नाम बोर्डों को लैंप पोस्ट या अन्य अचल संरचनाओं के लिए फिक्‍सर के रूप में लगाया जाना चाहिए जिनका मुख निकटवर्ती रेलपथ की ओर होना चाहिए। बड़े और उपनगरीय स्टेशनों पर, प्रथम/द्वितीयक बोर्डों की तुलना में छोटे आकार के तृतीयक नाम बोर्ड इस तरह लगाए जाने हैं, ताकि खड़ी हुई एक रेलगाड़ी के किसी भी डिब्बे से कम से कम एक नाम बोर्ड दिखाई दे। ये तृतीयक बोर्ड द्वितीयक बोर्डों के स्थान पर होते हैं। बड़े स्टेशनों के लिए, हाई सर्विस टैंकों, टॉल स्ट्रक्चर्स, कैबिनों, जलपान गृहों, प्रतीक्षा कक्षों, रिटायरिंग रूम और प्लेटफार्म शौचालयों आदि पर भी प्लेटफॉर्म संकेतक बोर्ड लगाए जाते हैं। इसके अलावा, रेलवे स्टेशनों पर यात्री संबोधन प्रणाली के माध्यम से नियमित उद्घोषणाएं भी की जाती हैं।

\*\*\*\*\*